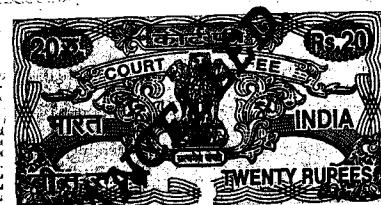


न्यायालय श्रीमान अध्यक्ष राजस्व मंडल श्रंखला न्यायालय सागर (म.प्र.)

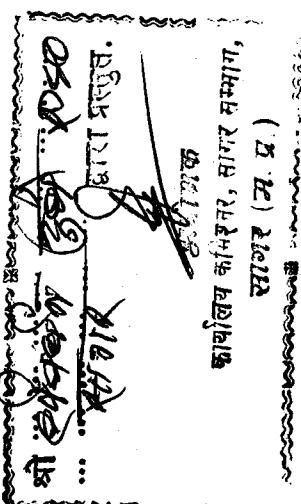
जिला दमोह

R.P.R. रा.पु.क्र.
पे.ता.

R - 2049 - III / 14



26 JUN 2014



छोटेलाल उम्र 64वर्ष बल्द गोविन्द प्रसाद कुर्मी पेश
कृषि निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी एम.आई.जी.8 तिली
रोड सागर तह. व जिला सागर म.प्र. पुनरीक्षणकर्ता

बनाम

मंजू उम्र 35वर्ष पति पवन विश्वकर्मा पेशा गृहणी निवासी
वृन्दावन वार्ड अहमद नगर गोपालगंज सागर तहसील व जिला
सागर म.प्र. उत्तरवादी

पुनरीक्षण याचिका अंतर्गत धारा 50 म.प्र. भू. राजस्व संहिता 1959

अधिनस्थ न्यायालय श्रीमान् तहसीलदार महोदय पथरिया जिला दमोह म.प्र. के रा.प्र.
क्र 3अ6 वर्ष 13-14 पक्षकार मंजू पति पवन विश्वकर्मा बनाम छोटेलाल बल्द
गोविन्द प्रसाद कुर्मी में पारित अंतर्गत आदेश दिनांक 07.05.10 से पीड़ित व दुखीत्
होकर यह पुनरीक्षण प्रस्तुत करता है।

मामले के तथ्य-: अधिनस्थ न्यायालय में पुनरीक्षणकर्ता छोटेलाल की स्व.माँ
चिरोजाबाई बेबा गोविन्द प्रसाद कुर्मी के नाम से ग्राम बरधारी तहसील पथरिया
जिला दमोह में भू.ख. नं. 293 है। अधिनस्थ न्यायालय श्रीमान् तहसीलदार पथरिया
जिला दमोह के समक्ष उत्तरवादी/आवेदिका के द्वारा भूमि खसरा नं. 299 रकवा 5.
14 हेक्टे पर अपना नाम दर्ज कराने के लिए नामांतरण का आवेदनपत्र दिनांक 10.
01.14 को पेश किया था जिसके साक्ष्य में उत्तरवादी ने पेशी दिनांक 22.03.14 को
अपने मुख्यपरीक्षण का शपथपत्र पेश किया था और प्रतिपरीक्षण की कंडिका 12 में
उक्त कथन को सही बतलाया। इसके उपरांत उत्तरवादी ने साक्ष्य के दौरान एक
आवेदनपत्र अंतर्गत आदेश 6 नियम 17 सी.पी.सी. सहपठित धारा 32 म.प्र. भू. रा.

W

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-गवालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक. नं. २०५७/४४/१५.....जिला ३५३८

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
२५-८-१५	<p>एकाउ के डाकेटक आभिभाषक उपायित। हैटे एकाउ में ग्राहणा पर सुना गया।</p> <p>इस संक्षिप्त स्वरूप इस एकाउ है कि अनिवार्यक हरा तृष्णील -पारालय पथरीया जिला वमीह में भूमि लैंड लॉक २९३ का नामोरत्ना को जी अवैद परिया गया। यहा है उसमें टैक्स: २७३ के ऊपर खुट्टी बुख लैंड लॉक २९७ औकिन हो गया था। उस खुट्टी की खुदी जोन का अवैदन डाकेटक लाल वट्ट-पारालय के उपर अंतरि आदेश ६ नियम १७ C.P.C. उपायित चारा ३२ म०५० भूमि वाल साहित का पेश किया गया, जिसे तृष्णील -पारालय लाल खोफा किया जाकर उक्त लॉक २९७ के ऊपर २९३ छोड़न करने की घन्तुमति देकर हुए अपने आदेश लिंग ७-५-१५ से आवैदक (जी वट्ट-पारालय में अनविक्षित) को अवैदक के उपरीया के अन्तरिपरीक्षण करने का एक जी अंतिम जावाह दिये गोने का आदेश देकर हुए एकाउ दिनोक १९-५-१५ को नियम किया गया।</p> <p>इस आदेश के विरुद्ध निगरानी प्रश्न में प्रभुत्व की गई। उक्त विवेद ने डाकेटक आभिभाषक की ग्राहणा पर सुना गया। अवैदक आभिभाषक हुए अपनेहरके में वरायागार्ज कि (झोप दिका) इस -पारालय में अवैदक हुए अपने नामोरत्न अवैदन पर लैंड लॉक २९३ में अंकित रखा उसएन। २९७ को श्राहपरीक्षण की केड़िका लैंड में सही लगाया था ऐसी तथा २९८ परीक्षण हुई को सही नहीं भासा जाना चाहिए था ऐसी तथा इसी में आलोच्य हुवे विवादित आदेश विरुद्ध किया जाए तथा निगरानी सुनवाई हुई ग्राहण की जाए।</p> <p>(उक्त रक्ष्यों एवं निगरानी मेंमो से अंकित विनुमो के डाकेटकन तथा अधीनलय -पारालय अवैदन पर विवादित आदेश दिनोक ७-५-१५ के अवैदन से ग्रहण किये अधीनलय -पारालय हरा अंतिम अवैद जारी न कर अंतिम आदेश दियागया है जिससे किसी भी पक्ष के दिल अभिवृत होने अनुचित रूप से</p>	